दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

यूफ्लेक्स ने कार्बन न्यूट्रैलिटी हासिल करने के लिए क्रेड्यूस के साथ साझेदारी की

● कार्बन फुटप्रिंट और न्यूट्रैलिटी को समझना और उसका विश्लेषण होगा

सवेरा न्यूज/ कासं

नोएडा 23 सितंबर : भारत को 2070 तक देश को कार्बन नेट जीरो बनाने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता से देश का कॉरपोरेट नेतृत्व बहुत उत्साहित है। इस संकल्प को आगे बढ़ाते हुए, अपने-अपने क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी दो कंपनियों ने इस सपने को साकार करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। फ्लेक्सिबल पैकिंग सामग्री और समाधान के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी 'यूफ्लेक्स' ने भारत की सबसे तेजी से बढ़ती कार्बन क्रेडिट कंसलटेंसी 'क्रेड्यूस' के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है और इसे अपना सलाहकार भागीदार बनाया ताकि एंड-टू-एंड कार्बन न्यूट्रैलिटी हासिल की जा सके। इसके अंतर्गत कार्बन फुटप्रिंट और न्यूट्रैलिटी को समझना और उसका विश्लेषण करना होगा, और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत और मान्यता प्राप्त मंच पर कार्बन और प्लास्टिक क्रेडिट बैलेंस बनाया जाएगा और उसे औपचारिक रूप दिया जाएगा। यह स्थायी विकास लक्ष्य का भाग होगा जिसमें सस्टेनेबिलिटी के लिए रोडमैप बनाने के साथ- साथ और भी बहुत कुछ किया जाएगा। सामाजिक रूप से जिम्मेदार एक कॉरपोरेशन के रूप में, यूफ्लेक्स आधुनिक टेक्नोलॉजी से संचालित समाधान बनाने में अग्रणी रहा है। एक स्वच्छ और हरित पर्यावरण की दिशा में अपनी खोज के तहत कंपनी ने क्रेड्यूस टेक्नोलॉजीज के साथ समझौता करने की घोषणा की है। इस प्रतिबद्धता के साथ, यूफ्लेक्स अपनी श्रेणी की सबसे बड़ी फर्म बन जाएगी जो पर्यावरण, सामाजिक और शासन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रभावी कदम उठाएगी। इसके तहत एक समयबद्ध रणनीति का सह निर्माण करना होगा, जिसकी शुरुआत उनके लचीले पैकेजिंग डिविजन से होगी।